संख्या- 29/2020/ 2120/अडतीस-7-2020-134/2015टीसी

प्रेषक,

मनोज कुमार सिंह,
अपर मुख्य सचिव,
उ0प्र0, शासन।

सेवा में,

आयुक्त,
ग्राम्य विकास,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

ग्राम्य विकास अनुभाग-7 लखनऊ दिनांक 17 दिसम्बर, 2020

विषय- वित्तीय वर्ष 2020-21 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन योजनान्तर्गत प्रथम चरण के 03 क्लस्टर्स तथा द्वितीय चरण के 02 क्लस्टर की सीजीएफ की तृतीय किश्त की प्रथम आंशिक धनराशि केन्द्रांश एवं केन्द्रांश के सापेक्ष अनुमन्य राज्यांश की धनराशि अवमुक्त करने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-06/3130/श्यामाप्र0मु0रू0मि0/2020-21 दिनांक 05-11-2020 एवं पत्र संख्या-06/3131/श्यामाप्र0मु0रू0मि0/2020-21 दिनांक 05-11-2020 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भारत सरकार के पत्र संख्या-जे-12011/28/2016रूर्बन(एसएलनं0-30), दिनांक: 29-10-2020 द्वारा प्रथम चरण के क्लस्टर पटेहरा कला, जनपद मीरजापुर हेतु रू0 3.516 करोड़ तथा द्वितीय चरण के क्लस्टर हलिया, जनपद मीरजापुर हेतु रू0 3.60 करोड़ अर्थात कुल धनराशि रू0 7.116 करोड़( रूपये सात करोड़ ग्यारह लाख साठ हजार मात्र) सीजीएफ की तृतीय किश्त की प्रथम आंशिक धनराशि केन्द्रांश एवं इसके सापेक्ष राज्यांश की कुल धनराशि रू0 4.744करोड़( रूपये चार करोड़ चौहत्तर लाख चालीस हजार मात्र) इस प्रकार कुल धनराशि रू0 11.86 करोड़ (रूपये ग्यारह करोड़ छियासी लाख मात्र) तथा भारत सरकार के पत्र संख्या-जे-12011/28/2015रूर्बन (एसएलनं0-26), दिनांक: 29-10-2020 द्वारा प्रथम चरण के 02 क्लस्टर्स चिटेहरा, जनपद गौतमबुद्धनगर एवं जुग्गौर, जनपद लखनऊ तथा द्वितीय चरण के 01 क्लस्टर धौरहरा, जनपद वाराणसी हेतु प्रति क्लस्टर रू0 3.60 करोड़ अर्थात कुल धनराशि रू0 10.80 करोड(रूपये दस करोड़ अस्सी लाख मात्र) सीजीएफ की तृतीय किश्त की प्रथम आंशिक धनराशि केन्द्रांश एवं इसके सापेक्ष राज्यांश की कुल धनराशि रू0 7.20 करोड़ (रू0 सात करोड़ बीस लाख मात्र) अर्थात कुल धनराशि रू0 18.00 करोड़ (रू0 अठठारह करोड़ मात्र) सहित कुल रू0 29.86 करोड़( रूपये उन्तीस करोड़ छियासी लाख मात्र) आपके निवर्तन पर रखे जाने एवं व्यय किये जाने हेतु निम्नलिखित प्रतिबन्धों/शर्तों के अधीन श्री राज्यपाल महोदया सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं:-

**(1)** आंकडों की शुद्धता व धनराशि की अनुमन्यता की पुष्टि का दायित्व आयुक्त,ग्राम्य विकास का होगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण एकमुश्त न करते हुए अपितु आवश्यकतानुसार चरणों में किया जायेगा।

**(2)** प्रश्नगत प्रकरण का परीक्षण बजट की उपलब्धता के आधार पर किया गया है। प्रश्नगत धनराशि की स्वीकृति किसी प्रकार के व्यय करने का प्राधिकार नहीं देता है। जिन मामलों में उ0प्र0 बजट मैनुअल और फाइनेंशियल हैण्डबुक के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत राज्य सरकार/केन्द्र सरकार अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक हो, उन मामलों में व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

http://shasanadesh.up.gov.in

**(3)** धनराशि का आहरण एवं व्यय योजना विषयक गाइडलाइन/दिशा-निर्देशों तथा मितव्ययिता के संबंध में समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

**(4)** स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरित कर यदि किसी ऐसे खाते मे रखा जाता है, जिसमें ब्याज अर्जित होता है, तो अर्जित ब्याज को गाइडलाइन में निर्धारित व्यवस्थानुसार समायोजन/लेखाशीर्ष में जमा करने का दायित्व आयुक्त, ग्राम्य विकास विभाग का होगा।

**(5)** स्वीकृत की जा रही धनराशि के नियम संगत आहरण/व्यय स्वीकृत की गयी धनराशि के विरूद्ध निर्धारित लक्ष्यों के प्राप्त होने तथा निर्धारित प्रारूप पर उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने का दायित्व आयुक्त, ग्राम्य विकास विभाग का होगा।

**(6)** स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वस्तुतः जिन मदों/कार्यों हेतु अवमुक्त की जा रही है, उन्हीं मदों/कार्यों में इसका व्यय अनुमन्य होगा। अन्य किसी मद में किया जाने वाला व्यय अनुमन्य नहीं होगा।

**(7)** स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय योजनान्तर्गत भारत सरकार के दिशा-निर्देशों तथा भारत सरकार के पत्र/स्वीकृत आदेश दिनांक 29-10-2020 की शर्तों का अनुपालन अवश्य सुनिश्चित किया जायेगा।

**(8)** स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष में सुनिश्चित किया जायेगा।

**(9)** स्वीकृत की जा रही धनराशि के संबंध में वित्त( आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक: 24 मार्च, 2020 व अन्य संगत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

**(10)** स्वीकृत की जा रही धनराशि का योजनान्तर्गत निर्धारित मद में वित्तीय नियमों के अनुपालन का दायित्व अपर आयुक्त(वित्त), ग्राम्य विकास, उ0प्र0 का होगा।

2- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-13 के लेखा शीर्षक "4515- अन्य ग्राम्य विकास कार्यक्रमों पर पूंजीगत परिव्यय- 102- सामुदायिक विकास-01-केन्द्र प्रायोजित योजनायें-0102-श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन (के.60/रा.40-के.+रा.)-42-अन्य व्यय " के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-2 के अशा0 पत्र संख्या-यूओ- ई-2-905/दस-2020, दिनांक: 15 दिसम्बर, 2020 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

मनोज कुमार सिंह
अपर मुख्य सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

संख्या- 29 /2020/2120 (1)/अड्तीस-7-2020 तददिनांक:-

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

**(1)** निदेशक, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार(रूर्बन डिवीजन), कृषि भवन, नई दिल्ली।

**(2)** प्रमुख सचिव/निदेशक, पंचायती राज विभाग, उ0प्र0 शासन।

**(3)** महालेखाकार(लेखा एवं हकदारी), प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।

**(4)** महालेखाकार(लेखा परीक्षा), प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।

**(5)** अपर आयुक्त (मनरेगा/वित्त), ग्राम्य विकास विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।

**(6)** मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।

**(7)** मण्डलायुक्त, विन्ध्याचल, मेरठ, लखनऊ एवं वाराणसी मण्डल, उत्तर प्रदेश।

**(8)** जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी, गौतमबुद्धनगर, लखनऊ, वाराणसी, एवं मीरजापुर, उ0प्र0।

**(9)** निदेशक, वित्तीय एवं सांख्यिकीय, उ0प्र0, लखनऊ।

**(10)** वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-2/वित्त(आय-व्ययक ) अनुभाग-2

**(11)** राज्य योजना आयोग-1/2

**(12)** विशेष कार्याधिकारी, ग्राम्य विकास विभाग।

**(13)** गार्ड बुक।

आज्ञा से

विजय बहादुर वर्मा
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in